Storybooks Canada

storybookscanada.ca

एक छोटा बीज: वनगारी माथाई की कहानी / A Tiny Seed: The Story of Wangari Maathai

Written by: Nicola Rijsdijk
Illustrated by: Maya Marshak
Translated by: (hi) Tanvi Sirari

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by Storybooks Canada in an effort to provide children's stories in Canada's many languages.

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

एक छोटा बीज: वनगारी माथाई की कहानी

A Tiny Seed: The Story of Wangari Maathai

Nicola Rijsdijk
Maya Marshak
Tanvi Sirari
Hindi / English
Level 3

पूरवी अफरीका में कैनया पहाड़ के एक गाँव में एक छोटी लड़की अपनी माँ के साथ खेतो में काम करती थी। उसका नाम वनगारी था।

...

In a village on the slopes of Mount Kenya in East Africa, a little girl worked in the fields with her mother. Her name was Wangari.

वनगारी को बाहर रहना पसंद था। अपने परिवार के खाने के आँगन में उसने मिट्टी को अपनी छूरी से जोता। उसने छोटे बीजों को गर्म मिट्टी में दबा दिया।

...

Wangari loved being outside. In her family's food garden she broke up the soil with her machete. She pressed tiny seeds into the warm earth.

उसका दिन का सबसे पसंदिदा समय सूर्यास्त के एकदम बाद था। जब इतना अंधेरा हो जाता कि पौंधे नही दिखते तब वनगारी जान जाती कि घर जाने का समय हो गया है। वो खेतों के संकरे रास्तों से निकल जाती और रास्ते में नदियों को पार करती।

...

Her favourite time of day was just after sunset. When it got too dark to see the plants, Wangari knew it was time to go home. She would follow the narrow paths through the fields, crossing rivers as she went.

२०११ में वनगारी की म्रत्यु हो गयी, लेकिन जब भी हम एक सुन्दर पेड़ ़ देखते है, हम उसे याद कर सकते है।

...

Wangari died in 2011, but we can think of her every time we see a beautiful tree.

वनगारी ने बहुत मेहनत करी। दुनियाँ भर के लोगो ने ध्यान गिया और उसे एक प्रसिद्ध पुरूस्कार दिया। उसे नोबेल शांति पुरस्कार कहा जाता है, और वो पहली अफरिकन औरत है जिसने ये पुरस्कार प्राप्त किया है।

...

Wangari had worked hard. People all over the world took notice, and gave her a famous prize. It is called the Nobel Peace Prize, and she was the first African woman ever to receive it.

वनगारी एक होशियार बच्ची थी और विद्यालय जाने को तैयार थी। लेकिन उसके माता-पिता चाहते थे कि वो घर में रहे और उनकी मदद करे। जब वो सात वर्ष कि हो गयी, तब उसके बड़े भाई ने उनके माता-पिता को उसे विद्यालय जाने के लिये मना लिया।

...

Wangari was a clever child and couldn’t wait to go to school. But her mother and father wanted her to stay and help them at home. When she was seven years old, her big brother persuaded her parents to let her go to school.

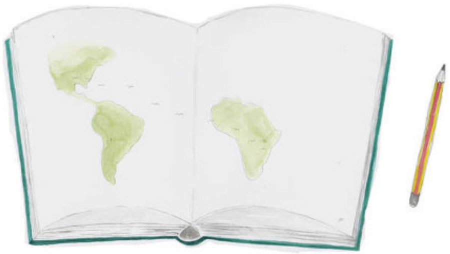

उसे सीखना पसंद था! वनगारी हर किताब पढ़ने से और ज़्यादा सीख जाती। उसने विद्यालय में इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि उसे पढ़ने के लिये अमेरिका से निमँत्रण मिला। वनगारी उत्साहित थी! वो दुनिया के बारे में जानना चाहती थी।

...

She liked to learn! Wangari learnt more and more with every book she read. She did so well at school that she was invited to study in the United States of America. Wangari was excited! She wanted to know more about the world.

समय के साथ नये पेड़ बढ़कर जंगल बन गये, और नदियाँ फिर से बहने लगी। वनगारी का संदेश सारे अफरिका में फैल गया। आज करोड़ो पेड़ वनगारी के बीजो से बढ़े हुए है।

...

As time passed, the new trees grew into forests, and the rivers started flowing again. Wangari’s message spread across Africa. Today, millions of trees have grown from Wangari’s seeds.

वनगारी जानती थी कि उसे क्या करना है। उसने औरतो को सिखाया कि बीज से पेड़ कैसे उगाते है।औरतो ने पेड़ बेच दिये और उन पैसो से अपने परिवार का ख्याल रखा। औरते बहुत खुश थी। वनगारी ने उनकी मदद करके उन्हे ताकतवर और शक्तीशाली होने का एहसास कराया।

...

Wangari knew what to do. She taught the women how to plant trees from seeds. The women sold the trees and used the money to look after their families. The women were very happy. Wangari had helped them to feel powerful and strong.

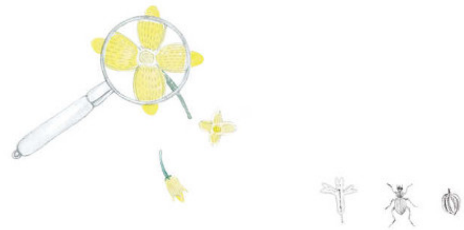

अमरीकी विश्विदयालय में वनगारी ने बहुत सी नयी चिज़े सिखी। उसने पौंधों के बारे में पढ़ाई करी कि वो कैसे बढ़ते है। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ी: खेल खेलती अपने भाईयों के साथ पेड़ों की छायाँ में केनया के सुन्दर जंगलों में।

...

At the American university Wangari learnt many new things. She studied plants and how they grow. And she remembered how she grew: playing games with her brothers in the shade of the trees in the beautiful Kenyan forests.

जितना ज़्यादा वो सिखती उतना ज़्यादा उसे एहसास होता कि वो केनया के लोगों से कितना प्रेम करती है। वो चाहती थी कि वे सुखी और आज़ाद हो। जितना ज़्यादा वो सिखती उतना ज़्यादा उसे अपना अफ़्रिकी घर याद आता।

...

The more she learnt, the more she realised that she loved the people of Kenya. She wanted them to be happy and free. The more she learnt, the more she remembered her African home.

जब उसने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली, वो केनया वापस आ गयी। लेकिन उसका देश बदल गया था। ज़मीन पर बड़े-बड़े खेत फैल चुके थे। औरतों के पास चूल्हा जलाने के लिये लकड़ी नही थी। लोग गरीब थे और बच्चे भूखे थे।

...

When she had finished her studies, she returned to Kenya. But her country had changed. Huge farms stretched across the land. Women had no wood to make cooking fires. The people were poor and the children were hungry.